

अध्याय - 2 | गोल

QUIZ
PART-02

1. "दोस्त, खेल में इतना गुस्सा अच्छा नहीं..." इस कथन से मेजर ध्यानचंद के बारे में क्या पता चलता है?
- A. वे अत्यंत क्रोधी थे।
B. वे अच्छे ढंग से बदला लेते थे।
C. उन्हें हॉकी से मारने पर वे अधिक गोल करते थे।
D. वे जानते थे कि खेल को सही भावना से खेलना चाहिए। (D)

व्याख्या:

2. लोगों ने मेजर ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' क्यों कहना शुरू किया?
- A. उनकी हॉकी स्टिक की अनोखी विशेषताओं के कारण
B. उनके विशेष लगाव के कारण
C. उनके हॉकी खेलने के विशेष कौशल के कारण
D. उनकी वेशभूषा के कारण (C)

व्याख्या: उनके उत्कृष्ट खेल कौशल से प्रभावित होकर लोगों ने उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहा।

3. ध्यानचंद की सफलता का मूल क्या बताया गया है?
- A. धन और प्रसिद्धि
B. उत्कृष्ट खेल भावना
C. शारीरिक शक्ति
D. पुरस्कार प्राप्त करना (B)

व्याख्या: उनकी सफलता का मूल उनकी उत्कृष्ट खेल भावना थी।

4. 'लांस नायक' का क्या अर्थ है?
- A. सैनिकों के रहने का क्षेत्र
B. अंग्रेजों के समय का हॉकी दल
C. भारतीय सेना का एक पद (रैंक)
D. ओलंपिक प्रतियोगिता (C)

व्याख्या: 'लांस नायक' भारतीय सेना का एक पद (रैंक) है।

5. बर्लिन ओलंपिक कब और कहाँ आयोजित हुआ था?
- A. 1947 में भारत में
B. 1936 में जर्मनी के बर्लिन शहर में
C. 1933 में पंजाब में
D. 1905 में प्रयाग में (B)

व्याख्या: बर्लिन ओलंपिक वर्ष 1936 में जर्मनी के बर्लिन शहर में आयोजित हुआ था।

6. "बुरा काम करने वाला आदमी..." पंक्ति से क्या शिक्षा मिलती है?
- A. बदला लेना चाहिए
B. गुस्सा करना चाहिए
C. बुराई करने वाला स्वयं डरता रहता है
D. खेल छोड़ देना चाहिए (C)

व्याख्या:

7. ध्यानचंद अपने साथियों को गोल का श्रेय क्यों देना चाहते थे?
- A. वे स्वयं गोल नहीं कर सकते थे
B. वे टीम भावना को महत्व देते थे
C. उन्हें खेल में रुचि नहीं थी
D. वे कप्तान नहीं थे (B)

व्याख्या: वे व्यक्तिगत सफलता से अधिक टीम के हित और मनोबल को महत्व देते थे।

8. ध्यानचंद की सफलता के रहस्य में कौन-सा गुण शामिल नहीं है?
- A. लगन और समर्पण
B. राष्ट्रीय भावना
C. सकारात्मक दृष्टिकोण
D. घमंड (D)

व्याख्या: उनकी सफलता के रहस्य में लगन, समर्पण, राष्ट्रीय भावना और सकारात्मक दृष्टिकोण थे, घमंड नहीं।

9. संस्मरण की एक विशेषता क्या है?
- A. कठिन भाषा
B. काल्पनिक कहानी
C. प्रेरणादायक घटना का वर्णन
D. केवल संवाद (C)

व्याख्या: यह संस्मरण मेजर ध्यानचंद के जीवन की एक प्रेरणादायक घटना का वर्णन करता है।

10. इस संस्मरण की शैली कैसी है?
- A. वैज्ञानिक शैली
B. आत्मकथात्मक शैली
C. हास्य शैली
D. नाटक शैली (B)

व्याख्या: कहानी पहले व्यक्ति के दृष्टिकोण से लिखी गई है, इसलिए इसकी शैली आत्मकथात्मक है।